AIDS InfoNet www.aidsinfonet.org

महिलाएँ तथा एच.आई.वी. (Women and HIV)

Fact Sheet Number 610
फैक्टशीट संख्या 610

महिलाओं के लिए एच.आई.वी. कितना गंभीर है?

अधिक से अधिक महिलाओं को प्रतिदिन एच.आई.वी. से संक्रमित हो रही हैं। अधिकांश महिलाओं में एच.आई.वी. संक्रमण यौन सम्बंधों के माध्यम से फैल रहा है, अन्य में यह मादक पदार्थों के सेवन के लिए सुई और सिरिजों के आदान–प्रदान से फैल रहा है। आंकलन के अनुसार वर्ष 2006 में एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों की संख्या 20 लाख से 31 लाख के मध्य थी जिसमें लगभग 29 प्रतिशत महिलाएं थीं। अगस्त 2006 के अंत में भारत में एड्स पीड़ीत महिलाअें की संचयी संख्या 36,750 थी जिसमें से 32577 महिलाएं 15 से 49 आयु वर्ग की थीं।

महिलाएं क्या जानना चाहती हैं?

महिलाएं एच.आई.वी. संक्रमण के जोख़िम पर हैं। बहुत महिलाएं सोचती हैं की एड्स समलैंगिक पुरूषों का रोग है। परंतु महिलाओं में यह सूइयों के आदान–प्रदान से तथा विषमलैंगिक यौन सम्बंधों के कारण से फैल रहा है।

यौन सम्बंध के दौरान एच.आई.वी. का परागमन महिला से पुरूष की तुलना में पुरूष से महिला में आसानी से हो जाता है। महिलाओं मेंएच.आई.वी. संक्रमण का जोख़िम अधिक होता है यदि वे गुदा संभोग करती हैं या फिर उनकी योनी रोग (यौन संक्रमण) हो। अन्य यौन संक्रमणों से होने वाले घावों से एच.आई.वी. का आपके शरीर में परागमन बहुत आसानी से होता है। संक्रमण का जोख़िम ज्यादा होता है यदि आपका यौन साथी सिरिंज से मादक पादार्थों का सेवन करता था या है या उसके अन्य यौन साथी हैं, संक्रमित लोगों के साथ यौन सम्बंध रहा हो या फिर पुरूष के साथ यौन सर्म्पक कर चुका हो।

महिलाओं को स्वयं को एच.आई.वी. संक्रमण से बचाना चाहिए। पुरूष यौन साथी के साथ कंडोम का उपयोग करने से एच.आई.वी. संक्रमण का जोख़िम कम होता है। कंडोम के उपयोग पर अधिक जानकारी हेतु फैक्टशीट 153 देखें। महिला पॉलीयूरीथेन कंडोम कुछ सुरक्षा प्रदान करता है परन्तु पुरूष लेटैक्स कंडोम के जितनी नहीं। अन्य प्रकार के गर्भनिरोधक साधन जैसे गर्भनिरोधक गोलियाँ, डायफराम, या इम्पलांट एच.आई.वी. के विरूद्व किसी प्रकार की सुरक्षा प्रदान नहीं करते। यहाँ तक की कोई जैल या क्रीम भी नहीं है जो कि महिलाओं को एच. आई.वी. संक्रमण से बचाती हो। फैक्टशीट 157 देखें।

अपनी जाँच करावें यदि आपको लगता है कि आप एच. आई.वी. के संर्पक में आए थे। बहुत महिलाओं को अपने एच.आई.वी. संक्रमित होने का पता नहीं चलता जब तक की वे बिमार नहीं पड़ती या गर्भधारण करने पर एच.आई. वी. की जाँच नहीं करवाती। जो महिलाऐं एच.आई.वी. की जाँच नहीं करवाती वे बिमार पड़ जाती हैं तथा पुरूषों की तुलना में जल्दी मर जाती हैं। परन्तु यदि वो अपनी जाँच करवाती हैं तथा उपचार लेती हैं तो वे भी पुरूषों के बराबर जीवित रह सकती हैं।

महिला सम्बन्धी रोग एच.आई.वी. संक्रमण का पहले संकेत हो सकते हैं। योनी में घाव, लगातार कमक संक्रमण और वस्तीप्रदेश में गंभीर जलन एच.आई.वी. का संकेत हो सकते हैं। हॉरमोन में परिवर्तन, गर्भनिरोधक गोलियाँ, या एंटीबायोटिक लेने से भी योनी में समस्या का कारण हो सकते हैं। अपने स्वास्थ्य सेवाप्रदाता से मिलकर वास्तविक कारण का पता लगाइये।

महिलाओं को अधिक तथा पुरूषों से अलग प्रकार के दुष्प्रभावों होते हैं। पुरूषों की तुलना में महिलाओं में त्वचा पर चकत्ते पड़ने, यकृत में समस्याएं, शरीर के आकार में परिवर्तन (लिपोडायस्ट्रॉफी, फैक्टशीट 553 देखें) की संभावना अधिक रहती है।

कई महिलाएं अपने स्वास्थ्य तथा रोजगार की समस्या से जूझने के साथ–साथ अभिभावक भी होती हैं। यह उन्हें

उपचार लेने और निश्चित समय पर चिकित्सक से नियुक्ति लेने में समस्या करता है। हांलाकी सही सर्मथन मिलने पर महिलाएं एच.आई.वी. का उपचार अच्छे ढ़ंग से ले सकती हैं।

महिलाओं पर शोध

वर्ष 1997 में एफ.डी.ए. ने कहा की महिलाओं को रोग–विषियक परिक्षणों से सिर्फ इसलिए दूर नहीं रखा जा सकता क्योंकि वो गर्भवती हो सकती हैं। एड्स पर हो रहे अध्ययनों में महिलाओं का अनुपात तो बढ़ा है परन्तु अभी भी यह कम है।

एच.आई.वी. के साथ जी रही महिलाओं पर और भी अध्ययन किये जा रहे हैं। दवा बनाने वाली कम्पनीयाँ रोग–विषियक परिक्षणों के लिए और भी महिलाओं को भर्ती कर रही हैं। यह जरूरी है क्योंकि महिलाओं का प्रतिनिधित्व न सिर्फ एड्स में, बल्कि अधिकांश चिकित्सकिय शोध में कम है। अधिकतर दवाईयों का महिलाओं पर विशेष रूप से जाँचा गया है।

हाल ही में किये गए शोध में पाया गया की एच.आई.वी. के साथ जी रही महिलाओं, जो कि बेरोज़गार हैं, जो प्रति सप्ताह में 8 से अधिक बार शराब का सेवन करती हैं, जिनमें निराशा का भाव देखा गया हो, या जिनके 3 से 5 यौन साथी रह चुके हों, में मौत का अधिक जोख़िम दुर्घटना या टी–कोशिकाओं की कमी के चलते लगने वाली चोट है।

महिलाओं के लिए उपचार

एच.आई.वी. के साथ जी रही महिलाओं का उपचार ऐसे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के द्वारा किया जाना चहिए जिन्हें एच.आई.वी. के साथ जी रही महिलाओं का उपचार करने का अनुभव है।

- असंक्रमित महिलाओं की तुलना में एच.आई.वी. संक्रमित महिलाओं में अक्सर और गंभीर रूप से योनी संक्रमण, लिंग में घाव, वस्ति प्रदेश में जलन, लिंग में मस्से हो जाते हैं।
- महिलाओं के गले में थ्रश (कमक से होने वाला एक प्रकार का संक्रमण) और हरपिज़ (फैक्टशीट 508 देखें) पुरूषों की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक होता है।
- नेवरापीन का उपयोग करने पर पुरूषों की तुलना में महिलाओं की त्वचा में अधिक गंभीर चकत्ते पड़ जाते हैं (फैक्टशीट 431 देखें)।
- जिन महिलाओं में चर्बी अधिक होती है उनमें पुरूषों की तुलना में चर्बी उदर तथा स्तन क्षेत्रों में ज्यादा वितरित रहता है, बाहों व टांगों में कम वितरीत होने की सम्भावना होती है।
- जिन महिलाओं को एच.आई.वी. संक्रमण होता है उन्हे गर्दन में कैंसर से सम्बंधित असामान्य तथा गंभीर वृद्धियाँ अधिक तीव्रता होती हैं (अधिक जानकारी के लिए फैक्टशीट 510 देखें)

अंतिम कथन

अधिक महिलाएं एच.आई.वी. से संक्रमित हो रही हैं। शीघ्र एच.आई.वी. की जाँच तथा उपचार होने से महिलाएं भी पुरूष के जीतना जीवित रह सकती हैं। महिलाओं को एच.आई.वी. की जाँच करवानी चाहिए। यह गर्भवती महिलाओं के संदर्भ में विशेष रूप से सत्य है। कुछ व्यक्तियों में किसी प्रकार के लक्षण नहीं पाये जाते। यदि उनमें लक्षण पाये जाते हैं तो उन्हें अन्य बिमारियाँ जैसे फ्लू हो सकता है।

यदि आपको लगता है की आप एच.आई.वी. से गंभीर रूप से संक्रमित हैं तो अपने स्वास्थ्य सेवाप्रदाता को बताईये तथा अपनी जाँच करवाइये। तीव्र एच.आई.वी. संक्रमण होने पर एंटीरिट्रोवायरल दवाईयाँ शुरू करने के लाभ व हानियों के विषय में अपने स्वास्थ्य सेवाप्रदाता से चर्चा कीजिये।

महिलाओं को योनी सम्बन्धी समस्याओं की अपने स्वास्थ्य सेवाप्रदाता के साथ चर्चा कर लेनी चाहिए, विशेषतः कमक से होने वाले संक्रमण जो जल्दी ठीक न हो रहे हों अथवा योनी में होने वाले घाव। यह एच.आई.वी. संक्रमण का संकेत हो सकता है।

पुर्नअवलोकन सितम्बर 28, 2007